जम्मू युनिवर्सिटी पोस्ट

उत्कृष्ट भविष्य की ओर अग्रसर

अप्रैल 2025 | जम्मू | वर्ष: 3 | अंक 1

जम्मू विश्वविद्यालय ने रचा इतिहास : NAAC प्रत्यायन में प्राप्त की प्रतिष्ठित A++ ग्रेड

वैशाली, सुहानी

जम्मू: जम्मू विश्वविद्यालय ने इतिहास रचते हुए NAAC प्रत्यायन (चक्र-IV) में 3.72 के प्रभावशाली सीजीपीए के साथ A++ ग्रेड प्राप्त की है, जो अब तक की सबसे उच्चतम उपलब्धि है।

इससे पूर्व विश्वविद्यालय ने चक्र-III में A+ ग्रेड (सीजीपीए 3.51) प्राप्त की थी। इस उल्लेखनीय प्रगति पर कुलपति प्रो. उमेश राय ने गहरी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, 'यह उपलब्धि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचार के प्रति हमारे सतत प्रयासों का प्रमाण है।'

वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उपस्थित प्रो. राय ने इस सफलता का श्रेय संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार – शिक्षकों, शोधार्थियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और पूर्व छात्रों – को दिया। उन्होंने कहा, 'A++ ग्रेड हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता और वैश्विक स्तर पर विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता का केंद्र बनाने के संकल्प को दर्शाती है'

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने पाठ्यक्रमों में नवाचार, अंतरविषयी शोध को बढ़ावा देने, और शैक्षणिक ढांचे को सशक्त बनाने जैसे अनेक परिवर्तनकारी कदम उठाए हैं।

प्रो. राय ने उपराज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री एवं प्रो-वाइस चांसलर जनाब उमर अब्दुल्ला, उच्च शिक्षा मंत्री श्रीमती सकीना इत्तो और उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. दिनेश सिंह का भी आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा, 'इन सभी की दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन से यह सफलता संभव हो पाई है।'

NAAC की सात सदस्यीय टीम ने 11 से 13 दिसंबर, 2024 के बीच विश्वविद्यालय का गहन मूल्यांकन किया और उनकी अनुशंसाओं की भी प्रशंसा की गई।

शेष पृष्ठ 2 पर

एलजी ने विश्वविद्यालय को प्रतिष्ठित A++ NAAC रैंकिंग के लिए सराहा

जम्मू

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू विश्वविद्यालय (JU) को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा हाल ही में प्रदान की गई प्रतिष्ठित A++ ग्रेड के लिए हार्दिक बधाई दी।

माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफ़ॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) पर अपनी शुभकामनाएँ साझा करते हुए, उपराज्यपाल ने लिखा, 'जम्मू विश्वविद्यालय ने NAAC द्वारा सात-सूत्रीय पैमाने पर 3.72 CGPA के साथ प्रतिष्ठित A++ ग्रेड प्राप्त किया है। इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए कुलपति, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, शोधार्थियों और छात्रों को हार्दिक बधाई। आपने जम्मू-कश्मीर को गौरवान्वित किया है।'

यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता और संस्थागत गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

GOONJ 2025 : जम्मू विश्वविद्यालय का मेगा यूथ फेस्टिवल प्रतिभा, टीम स्पिरिट और परंपरा का उत्सव

अलंकृत, शफकत

जम्मू: जम्मू विश्वविद्यालय ने दो दिवसीय मेगा यूथ फेस्टिवल 'गूंज 2025' का आयोजन किया, जो छात्र प्रतिभा, सांस्कृतिक विविधता और प्रतिस्पर्धी उत्साह का भव्य उत्सव रहा। विश्वविद्यालय परिसर संगीत, नाटक, वाद-विवाद, कला और खेलों से सराबोर हो उठा, जिसमें विभिन्न कॉलेजों और विभागों के छात्रों ने जोशपूर्वक भाग लिया।

फेस्टिवल का उद्घाटन कुलपति प्रो. उमेश राय ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि इस तरह के उत्सव रचनात्मकता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और समग्र व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने घोषणा की कि अगले वर्ष से इस उत्सव का दायरा और व्यापक किया जाएगा, जिसमें विश्वविद्यालय के सात बाहरी परिसरों को शामिल कर अंतिम समापन कार्यक्रम मुख्य परिसर में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर राज्य निर्वाचन आयुक्त बी. आर. शर्मा ने अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि अब्दुल मजीद बट विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में GCW परेड की ओजस्वी ने वक्तृत्व प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि GCW कठुआ की मुस्कान ठाकुर द्वितीय और क्लस्टर यूनिवर्सिटी जम्मू की मनमीत कौर तृतीय स्थान पर रहीं। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में GDC भगवती नगर की वंशिका राजपूत प्रथम, GCW परेड की असीसबजोत कौर द्वितीय और GDC भगवती नगर की गुरलीन कौर तृतीय स्थान पर रहीं। जर्नलिज्म विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय ने शॉर्ट फिल्म मेकिंग में प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि GDC डोडा और राजनीति विज्ञान विभाग, JU दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

लाइट वोकल सोलो प्रतियोगिता में IMFA के निर्मल कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, क्लस्टर यूनिवर्सिटी जम्मू के मुकेश कुमार द्वितीय और GDC कठुआ के अंकुश तृतीय स्थान पर रहे। स्वरचित कविता में जर्नलिज्म विभाग, JU के शफ़कत हुसैन विजेता रहे, जबकि GDC आर. एस. पुरा की गुरसिमर कौर दूसरे और IMFA के अंकुश सिंह तीसरे स्थान पर रहे। PG इंटीग्रेटेड टीम, छु ने स्किट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि CD & OE JU और उधमपुर परिसर छु क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। विधि विभाग, JU ने लोक नृत्य प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त किया, CD & OE JU दूसरा और GDC भद्रवाह तीसरे स्थान पर रहा।

फेस्टिवल में कई खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई।

शेष पृष्ठ 2 पर

DYD के लिए सोच में बदलाव जरूरी : उमर अब्दुल्ला

जम्मू:

जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू विश्वविद्यालय में आयोजित 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020)' के तहत नवाचार शिक्षण पद्धति में क्षमता निर्माण पर आधारित तीन दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने - (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में लिखा, 'जम्मू विश्वविद्यालय में #NEP-2020 पर आधारित तीन दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में भाग लिया।' NEP-2020 की मुख्य अवधारणा पर ध्यान केंद्रित करते 'हुए उन्होंने कहा, 'डिज़ाइन योर डिग्री (DYD) छात्रों और शिक्षकों–दोनों के लिए सोच में बदलाव की मांग करता है। यह शिक्षार्थियों को अपनी शैक्षणिक यात्रा खुद तय करने का अधिकार देता है।' मुख्यमंत्री ने जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक संकट पर भी चिंता व्यक्त की और कहा, 'लोगों को जलवायु परिवर्तन के बारे में शिक्षित करना आज की सबसे बड़ी ज़रूरत है, और हमें–नेताओं के रूप में–इस वैश्विक चुनौती का समाधान ढूंढने की ज़िम्मेदारी निभानी होगी।'

जम्मू विश्वविद्यालय छात्रों का, छात्रों के द्वारा और छात्रों के लिए है: डॉ. नीरज शर्मा

जेयू पोस्ट डेस्क। दलजीत

लुधियाना स्थित एक प्रमुख व्यापार समूह (वर्धमान स्पिनिंग एंड जनरल मिल्स लिमिटेड, जिसका वर्तमान में 1.1 बिलियन से अधिक का ग्रुप टर्नओवर है) में एक्जीक्यूटिव (एचआरडी और पर्सनल) के रूप में अपने पेशेवर करियर की शुरुआत करने से लेकर जम्मू विश्वविद्यालय को शैक्षणिक उत्कृष्टता की ओर अग्रसर करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने तक, डॉ. नीरज शर्मा, जो वर्तमान में जम्मू विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार हैं, अपने प्रेरणादायक करियर का श्रेय संगठन के प्रति गहरी निष्ठा, समर्पण और प्रतिबद्धता को देते हैं। जेयू पोस्ट के साथ एक खुले और प्रेरक संवाद में डॉ. नीरज शर्मा ने अपने सफर और विश्वविद्यालय के लिए अपने विजन को साझा किया।

साक्षात्कार के अंश:

जेयू पोस्ट: कृपया हमारे पाठकों को अपने प्रेरणादायक सफर के बारे में बताएं। शुरुआत आपके प्रारंभिक जीवन और शैक्षणिक पृष्ठभूमि से करें।

डॉ. नीरज शर्माः धन्यवाद। मेरा जन्म और पालन-पोषण जम्मू में हुआ। मैंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा दीवान बद्री नाथ विद्या मंदिर स्कूल, जम्मू से प्राप्त की। इसके बाद मैंने जी.जी.एम. साइंस कॉलेज, जम्मू से नॉन-मेडिकल स्ट्रीम में स्नातक किया और फिर 1991 में जम्मू विश्वविद्यालय के लॉ विभाग से कानून की डिग्री प्राप्त की। हालांकि मैंने थोड़े समय तक वकालत की, लेकिन मुझे जल्द ही महसूस हुआ कि मेरी असली रुचि किसी और क्षेत्र में है। फिर मैंने जम्मू विश्वविद्यालय के बिजनेस स्कूल से मानव संसाधन (एचआर) में एमबीए किया, जिसने मेरी एचआर और प्रशासनिक करियर की नींव रखी। साथ ही, मैंने 1998 में इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट (ISTD), नई दिल्ली से ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट में पीजी डिप्लोमा किया और 2014 में जम्मू विश्वविद्यालय से प्रबंधन में पीएच.डी. की डिग्री प्राप्त की।

जेयू पोस्ट: आपने विश्वविद्यालय में शामिल होने से पहले विभिन्न उद्योगों में काम किया है। क्या आप उन अनुभवों के बारे में बता सकते हैं?

डॉ. नीरज शर्माः एमबीए पूरा करने के बाद मैंने 1994 में वर्धमान स्पिनिंग एंड जनरल मिल्स लिमिटेड, लुधियाना में एग्जीक्यूटिव (पर्सनल और एचआरडी) के रूप में काम शुरू किया और 1998 तक स्टील और स्पिनिंग इंडस्ट्री में व्यावहारिक एचआर और प्रशासनिक अनुभव प्राप्त किया। इसके बाद, मैंने हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में कदम रखा और भारत सरकार की पीएसयू, इंडिया टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (ITDC) के प्रतिष्ठित अशोक ग्रुप के हेरिटेज ग्रैंड यूनिट - लक्ष्मी विलास पैलेस होटल, उदयपुर में मैनेजर (एचआर) के रूप में सेवा दी। यह संपत्ति अब 'द ललित' समूह के अंतर्गत है। हालांकि अनुभव समृद्ध थे, लेकिन मेरा मन हमेशा अपने गृहनगर जम्मू की ओर आकर्षित रहा और मैं यहां नौकरी की संभावनाओं की तलाश करता रहा। 2003 में, मुझे अपने ही पूर्व विश्वविद्यालय, जम्मू विश्वविद्यालय में सहायक रजिस्ट्रार के रूप में शामिल होने का अवसर मिला, जो मेरे करियर का एक और महत्वपूर्ण मोड़ था।

जेयू पोस्ट: विश्वविद्यालय में आपका करियर काफी प्रभावशाली रहा है। क्या आप अपनी विभिन्न भूमिकाओं के बारे में बता सकते हैं?

डॉ. नीरज शर्माः अब तक की यात्रा काफी संतोषजनक रही है। सहायक रजिस्ट्रार के रूप में शुरुआत करने के बाद, मुझे माननीय कुलपति के निजी सचिव के रूप में काम करने की भूमिका सौंपी गई। इसके बाद मुझे डिप्टी रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया, साथ ही माननीय कुलपति के प्रमुख निजी सचिव के रूप में अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई। आगे चलकर, मुझे माननीय कुलपति के विशेष सचिव के पद पर पदोन्नत किया गया और कई प्रशासनिक कार्यभार भी संभाले। नवंबर 2024 में मुझे विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार के रूप में नियुक्त किया गया। मुझे छह माननीय कुलपतियों के साथ काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है और मैं हर चरण में विश्वविद्यालय के विकास में योगदान दे रहा हूं।

जेयू पोस्ट: आपने इस संस्थान को विकसित होते हुए देखा है। विशेषकर रैंकिंग और अवसंरचना के लिहाज से आप इसकी प्रगति को कैसे देखते हैं?

डॉ. नीरज शर्माः जम्मू विश्वविद्यालय ने पिछले कुछ वर्षों में काफी प्रगति की है। जब मैंने विश्वविद्यालय जॉइन किया था, तब राष्ट्रीय रैंकिंग बहुत ही सामान्य थी। लेकिन हमारे गतिशील माननीय कुलपतियों के नेतृत्व में आज यह विश्वविद्यालय एनएएसी द्वारा A++ ग्रेड और 3.72 सीजीपीए के साथ मान्यता प्राप्त है और हाल ही में नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) में देश के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में 50वें स्थान पर रहा है। हमारा लक्ष्य है कि हम शीर्ष 20 विश्वविद्यालयों में शामिल हों।

जेयू पोस्ट: सीमावर्ती क्षेत्रों और दूरस्थ परिसरों में विश्वविद्यालय की पहुंच सराहनीय है। इसे प्राथमिकता क्यों दी गई है?

डॉ. नीरज शर्माः सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थित ऑफ-साइट कैंपस हमारे समावेशी शिक्षा के दृष्टिकोण का हिस्सा हैं। इन कैंपसों को मजबूत करके हम यह सुनिश्चित करते हैं कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचे। ये पहल सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देती हैं और दूरस्थ क्षेत्रों के छात्रों को उच्च शिक्षा तक पहुंच प्रदान करती हैं, जो कि राष्ट्र निर्माण की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

जेयू पोस्ट: राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) को अपनाने से शैक्षणिक परिदृश्य में क्या बदलाव आए हैं?

डॉ. नीरज शर्माः एनईपी 2020 ने छात्रों के लिए 12वीं कक्षा से ही नए अवसर खोल दिए हैं। हम पहले ही कई कौशल-आधारित और करियर-उन्मुख अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम शुरू करने की प्रक्रिया में हैं, जिससे छात्र आत्मनिर्भर बन सकें और वैश्विक चुनौतियों का सामना कर सकें। हमारा ध्यान नौकरी चाहने वालों की बजाय नौकरी देने वालों को तैयार करने पर है।

जुलाई 2023 से जम्मू विश्वविद्यालय ने 'डिजाइन योर डिग्री' नामक एक प्रमुख स्नातक कार्यक्रम शुरू किया है, जिसे 'स्किल, इनक्यूबेशन, इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेंटर (SIIEDC)' के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है। यह प्रोग्राम छात्रों को एक व्यक्तिगत, बहुविषयक शिक्षा का अवसर प्रदान करता है, जिससे वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में खुद को बेहतर तरीके से स्थापित कर सकें।

इसके साथ ही विश्वविद्यालय ने 'उत्साह - द क्लब्स कंसोर्टियम' के तहत बारह क्लब स्थापित किए हैं, जो छात्रों में जोश, ऊर्जा और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करते हैं। ये क्लब पाठ्यक्रम के बाहर छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने और समग्र विकास के अवसर प्रदान करते हैं। एनईपी के अनुसार, अब खेल और सांस्कृतिक गतिविधियाँ भी पाठ्यक्रम का हिस्सा मानी जाती हैं।

जेयू पोस्ट: बतौर रजिस्ट्रार, छात्रों की शिकायतों का समाधान कैसे करते हैं और आप उनके साथ कैसे सामंजस्य बनाए रखते हैं?

डॉ. नीरज शर्माः छात्र विश्वविद्यालय की धड़कन हैं; यह विश्वविद्यालय छात्रों का, छात्रों के द्वारा और छात्रों के लिए है। आज के छात्र आईटी-सेवी, जागरूक और तर्कसंगत हैं। हम उनके उचित मुद्दों को पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ हल करते हैं। वर्षों से मैंने माननीय कुलपति के विशेष सचिव के रूप में कार्य किया है, इसलिए मेरी भूमिका यह सुनिश्चित करना है कि छात्रों को बिना किसी पक्षपात के हरसंभव सहायता मिले। कुलपति सचिवालय उनके लिए अंतिम उम्मीद होती है, और हम उनकी अपेक्षाओं को सहानुभूति और निष्पक्षता से पूरा करते हैं।

जेयू पोस्ट: आपने समय प्रबंधन और जीवन के अवसरों को पकड़ने पर जोर दिया है। आप ये मूल्य छात्रों और स्टाफ में कैसे विकसित करते हैं?

डॉ. नीरज शर्माः मैं दृढ़ता से मानता हूं कि अवसर जीवन में दोबारा नहीं आते। समय का सही प्रबंधन, लक्ष्य निर्धारण, ध्यान केंद्रित रहना, अपनी कमियों को पहचानना और अपनी ताकतों का सही उपयोग करना सफलता की कुंजी है। मैं छात्रों को इन आदतों को अपनाने और सही समय पर कदम उठाने के लिए प्रेरित करता हूं।

जेयू पोस्ट: अंत में, आप युवाओं और विश्वविद्यालय समुदाय को क्या संदेश देना चाहेंगे?

डॉ. नीरज शर्माः युवाओं से मैं कहना चाहता हूं कि आप देश की रीढ़ हैं।

पृष्ठ 1 का शेष

जम्मू विश्वविद्यालय

डीआईक्यूए निदेशक डॉ. गिन्नी डोगरा ने मूल्यांकन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी और बताया कि विश्वविद्यालय को 'इन्फ्रास्ट्रक्चर और लर्निंग रिसोर्सेज', 'गवर्नेंस, लीडरशिप एंड मैनेजमेंट' तथा 'इंस्टिट्यूशनल वैल्यूज एंड बेस्ट प्रैक्टिसेज' जैसे क्षेत्रों में पूर्ण अंक प्राप्त हुए हैं।

प्रो. नीलू रोहमेत्रा, डीन रिसर्च स्टडीज़ ने विश्वविद्यालय द्वारा हाल ही में किए गए शोध कार्यों और विशेष रूप से ट्रांसडिसिप्लिनरी रिसर्च को रेखांकित किया। NAAC टीम ने विश्वविद्यालय के शोध प्रकाशनों और उनके उद्धरणों की भी सराहना की।

इस ग्रेड के साथ, जम्मू विश्वविद्यालय अब देश के A++ ग्रेड प्राप्त चुनिंदा संस्थानों की श्रेणी में शामिल हो गया है। यह मान्यता सात वर्षों के लिए मान्य रहेगी।

GOONJ 2025 :

बास्केटबॉल (पुरुष) में PG विभाग, JU प्रथम स्थान पर रहा, जबकि बासकर डिग्री कॉलेज उधमपुर दूसरे और GDC कठुआ तीसरे स्थान पर रहे। वॉलीबॉल (पुरुष) और हैंडबॉल (पुरुष) दोनों में PG विभाग ने शीर्ष स्थान हासिल किया। खो-खो (महिला) और टेबल टेनिस (महिला) में भी PG विभाग, JU विजेता रहा। एथलेटिक्स (पुरुष) में GDC मारद्ध और एथलेटिक्स (महिला) में PG विभाग, छ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुल मिलाकर, PG डिपार्टमेंट ऑफ स्पोर्ट्स, जम्मू विश्वविद्यालय को सर्वश्रेष्ठ खेल चैम्पियन घोषित किया गया।

छात्रों ने उत्सव में भाग लेने पर गर्व और आनंद व्यक्त किया। एक विजेता छात्रा ने कहा, 'इतने विविध दर्शकों के सामने बोलना मेरे विचारों और प्रस्तुति को और निखारने का अवसर बना। गूंज ने यह साबित किया कि 2025 में भी प्रभावी भाषण का महत्व बना हुआ है।' एक अन्य छात्र ने साझा किया, 'जीतना शानदार है, लेकिन पूरे जम्मू-कश्मीर से संगीतकारों के साथ मंच साझा करना सबसे बड़ा पुरस्कार था। हमने एक-दूसरे की शैलियों से बहुत कुछ सीखा।' एक छात्रा ने कहा, 'सप्ताहों तक साथ अभ्यास करने से ऐसी दोस्तियां बनीं जो खेल से आगे बढ़ गईं। छ के लिए यह खिताब जीतना हर महिला छात्रा की जीत जैसा है।' वहीं एक और छात्र ने कहा, 'हमारा स्किट हास्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य का संदेश लेकर आया। ऐसे उत्सव रंगमंच को एक उद्देश्य देते हैं - संवाद को जन्म देते हैं।'

अपने समापन भाषण में प्रो. राय ने छात्रों से आग्रह किया कि वे गूंज की भावना को कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और समाज में भी आगे ले जाएं। उन्होंने आगामी संस्करण में नए अंतर-परिसर प्रतिस्पर्धाओं, छात्र परामर्श और सांस्कृतिक विनिमयों की शुरुआत का संकेत भी दिया। गूंज 2025 ने अपने ऊर्जावान प्रदर्शन, भावनात्मक वक्तव्यों, कलात्मक प्रतिभा और खेलों की उत्कृष्टता के माध्यम से यह सिद्ध किया कि जम्मू विश्वविद्यालय समग्र, संस्कारित और सामाजिक रूप से उत्तरदायी युवा तैयार करने के प्रति प्रतिबद्ध है।

पत्रकारिता विभाग में पोस्ट-प्रोडक्शन तकनीकों पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

अभय

जम्मूः पत्रकारिता और मीडिया अध्ययन विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा पोस्ट-प्रोडक्शन तकनीकों पर एक तीन दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को मीडिया उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक प्रशिक्षण और वास्तविक अनुभव प्रदान करना था।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में दैनिक जागरण, जम्मू के रेजिडेंट एडिटर श्री अनिल गक्खड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के स्कूल ऑफ मीडिया के डीन प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया।

अतिथियों का स्वागत करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. गरिमा गुप्ता ने विभाग की उस प्रतिबद्धता को रेखांकित किया जिसके तहत शैक्षणिक अध्ययन और उद्योग की अपेक्षाओं के बीच की खाई को कम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह कार्यशाला कुलपति प्रो. उमेश राय की उस दूरदर्शी सोच के अनुरूप है, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के अंतर्गत कौशल-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने पर बल दिया गया है।

अपने संबोधन में अनिल गक्खड़ ने प्रिंट मीडिया में पोस्ट-प्रोडक्शन तकनीकों की व्यावसायिक जानकारी साझा की और बताया कि समाचार प्रस्तुति में संपादन और लेआउट डिज़ाइन की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण होती है। वहीं, प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी ने कहा कि डिजिटल युग में पोस्ट-प्रोडक्शन का ज्ञान पत्रकारों के

लिए अनिवार्य हो गया है, और इसे मीडिया प्रोफेशनल्स के लिए एक बुनियादी कौशल बताया।

एसआईआईईडीसी की अध्यक्ष प्रो. अल्का शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए और मीडिया शिक्षा में कौशल-आधारित शिक्षा की बढ़ती आवश्यकता पर जोर दिया। आईसीएसएसआर के पूर्व निदेशक और विशिष्ट अतिथि डॉ. अजय गुप्ता ने पोस्ट-प्रोडक्शन तकनीकों की शोध और प्रकाशन की गुणवत्ता सुधारने में भूमिका पर प्रकाश डाला।

धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दुष्यंत कुमार राय ने किया, जबकि सुश्री कुमेरजीत चजगोतरा ने उद्घाटन सत्र का संचालन किया।

उद्घाटन समारोह के बाद, कुलपति प्रो. उमेश राय ने कार्यशाला में शामिल विशेषज्ञों और प्रतिभागियों से मुलाकात की और अनुभवात्मक एवं व्यावहारिक शिक्षा की आवश्यकता को रेखांकित किया, ताकि छात्र आधुनिक मीडिया उद्योग की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर सकें।

तीन दिनों तक चलने वाली इस कार्यशाला के दौरान छात्र संपादन तकनीक, कंटेंट सुधार और मीडिया व शोध पर पोस्ट-प्रोडक्शन के प्रभाव को लेकर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

कार्यशाला के पहले सत्र में प्रसिद्ध फोटोग्राफर योगेश मनहास और गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सचिन भारती द्वारा लाइव डेमोंस्ट्रेशन प्रस्तुत किए गए। इस कार्यशाला में विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। कार्यक्रम में फिल्म निर्माता श्री बृजेश मिश्रा, डॉ. प्रदीप सिंह बाली, डॉ. रमियान भारद्वाज सहित अन्य संकाय सदस्य भी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस व्यावहारिक मीडिया शिक्षा पर केंद्रित पहल की सराहना की।

जम्मू विश्वविद्यालय ने आयोजित किया पहला इंटर-ज़ोनल 'डिस्प्ले योर टैलेंट' 2024-25

हिमानी

जम्मूः जम्मू विश्वविद्यालय ने अपने मुख्य परिसर में बड़े उत्साह और उल्लास के साथ पहला इंटर-ज़ोनल डिस्प्ले योर टैलेंट (DYT) 2024-25 आयोजन किया। यह कार्यक्रम छात्र कल्याण विभाग (DSW) के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें संगीत, नृत्य, साहित्य, ललित कला और रंगमंच की 27 प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। यह मंच विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों के छात्रों को अपनी रचनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है।

इस वर्ष, जम्मू विश्वविद्यालय ने कुलपति प्रो. उमेश राय की दूरदर्शिता से एक नवीन इंटर-ज़ोनल प्रारूप अपनाया, जो कार्यक्रम की संरचना में एक क्रांतिकारी बदलाव रहा। विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों को तवी, पीर पंजाल, देविका, रावी और चिनाब—इन पाँच ज़ोनों में विभाजित किया गया। इन ज़ोनों में ज़ोन स्तर की प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक आयोजित की गईं, और विजेताओं ने विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इंटर-ज़ोनल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस नए प्रारूप से विशेष रूप से दूरदराज़ क्षेत्रों से भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

इंटर-ज़ोनल DYT 2024-25 के समापन समारोह में श्री सुरेश गुप्ता, ढ्ढस्नस्, प्रधान सचिव, संस्कृति विभाग, जम्मू-कश्मीर संघ शासित प्रदेश, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. अंजू भसीन, डीन अकादमिक मामले, जम्मू विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थीं। समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

अपने संबोधन में श्री सुरेश गुप्ता ने अपने पूर्व संस्थान को इस प्रकार के समृद्ध अवसर प्रदान करने के लिए बधाई दी और युवाओं से शारीरिक रूप से फिट, मानसिक रूप से सतर्क और आध्यात्मिक रूप से जागरूक रहने का आग्रह किया। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति में छिपी अद्वितीय प्रतिभा को पहचानने और उसे लगन और ईमानदारी से आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रो. अंजू भसीन ने कार्यक्रम के नवीन प्रारूप के लिए कुलपति एवं छात्र कल्याण विभाग की सराहना की और छात्रों द्वारा प्रस्तुत रचनात्मक साहस और कलात्मक अभिव्यक्ति की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

प्रो. प्रकाश अंतहाल, डीन, छात्र कल्याण विभाग, ने मुख्य अतिथियों का स्वागत करते हुए सभी ज़ोनों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इंटर-ज़ोनल स्तर तक पहुँचे छात्र पहले ही अपने-अपने ज़ोनों के विजेता रह चुके हैं। उन्होंने प्रो. अरविंद जसरोतिया (रेक्टर, कठुआ परिसर), प्रो. यश पाल शर्मा (रेक्टर, उधमपुर परिसर), प्रो. के.के. शर्मा (प्राचार्य, जीपीजीसी राजौरी) और डॉ. अदित गुप्ता (निदेशक, MIER) द्वारा ज़ोन स्तर पर सफल आयोजन के लिए योगदान की सराहना की।

प्रो. मोनिका चड्ढा, अध्यक्ष, कैम्पस सांस्कृतिक समिति ने DYT के नए प्रारूप पर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जबकि प्रो. सारिका मनहास, सह-अध्यक्ष, ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

जर्नलिज्म विभाग और IGNCA ने मनाया 'शक्ति पर्व', महिलाओं की ताक़त और दृढ़ता को किया सलाम

अदिति

जम्मू: जम्मू विश्वविद्यालय के पत्रकारिता और मीडिया अध्ययन विभाग ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA), जम्मू के सहयोग से 'शक्ति पर्व' का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य समाज के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की शक्ति, सहनशक्ति और उपलब्धियों का सम्मान करना था।

इस अवसर पर विद्वानों, वक्ताओं और विद्यार्थियों का एक समृद्ध संगम देखने को मिला, जिन्होंने महिलाओं की सामाजिक भूमिका पर केंद्रित प्रेरणादायक चर्चाओं और कहानियों के सत्रों में भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जम्मू के मंडलायुक्त श्री रमेश कुमार थे, जबकि देवयानी राणा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में रमेश कुमार ने समाज में महिलाओं के सामने आने वाली स्थायी चुनौतियों और रूढ़ियों पर प्रकाश डाला और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता जताई कि महिला सशक्तिकरण सिर्फ एक दिन की बात न हो, बल्कि साल भर के व्यवहार और सोच में झलके।

देवयानी राणा ने मीडिया उद्योग में रूढ़ियों को तोड़ने के अपने अनुभव साझा किए और पत्रकारिता में समावेशी कहानी कहने और विविध आवाजों की जरूरत पर ज़ोर दिया।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए, पत्रकारिता और मीडिया अध्ययन विभाग की प्रमुख प्रो. गरिमा गुप्ता ने कहा, 'शक्ति पर्व महिलाओं की उस अडिग आत्मा को सलाम है जो लगातार बदलाव की प्रेरणा बन रही है और सामाजिक मान्यताओं को चुनौती दे रही है–साथ ही उन पुरुषों को भी, जो इस सशक्तिकरण में सक्रिय भागीदार हैं। दोनों की साझेदारी से ही एक सशक्त समाज का निर्माण संभव है।'

श्रुति अवस्थी, क्षेत्रीय निदेशक, IGNCA जम्मू ने कहा कि सांस्कृतिक कथाओं और शैक्षणिक संवादों के माध्यम से महिलाओं के नेतृत्व और योगदान को उजागर करना आवश्यक है।

कार्यक्रम की विशेष झलक उन महिला सुरक्षा कर्मियों, ऑटो चालकों और दुकानदारों का सम्मान था, जिन्होंने अपने परिश्रम और संकल्प से समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

MIER समूह की अध्यक्ष, रेनू गुप्ता ने लैंगिक समानता की दिशा में प्रयासों को तेज़ करने की आवश्यकता जताई। वहीं, प्रसिद्ध गायिका आशा केसरी ने अपनी व्यक्तिगत यात्रा साझा की और बताया कि कैसे उन्होंने सामाजिक बंदिशों के बीच अपना संगीत का सपना पूरा किया।

निर्मल विक्रम ने कहा कि महिला सशक्तिकरण कोई अचानक होने वाला बदलाव नहीं, बल्कि एक धीमी और निरंतर प्रक्रिया है। इसी तरह फौज़िया अख्तर ने इस्लाम और महिलाओं के अधिकारों पर फैली गलतफहमियों को दूर करते हुए बताया कि इस्लाम महिलाओं को सशक्त करने वाली शिक्षाएं देता है।

वरिष्ठ महिला पत्रकार रोली खन्ना ने मीडिया में महिलाओं की बदलती भूमिका, आ रही चुनौतियाँ, और कार्यस्थलों में लैंगिक पक्षपात से निपटने की रणनीतियों पर विस्तार से बात की।

इस अवसर पर प्रो. दुश्यंत कुमार राय, प्रो. शालू शर्मा, डॉ. प्रदीप सिंह बाली, डॉ. रमियान भारद्वाज और सुश्री कुमरजीत चजगोत्रा सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही, जिन्होंने लैंगिक समानता, मीडिया और प्रतिनिधित्व पर सार्थक विचार साझा किए।

'अभिव्यक्ति 2025' - कक्षा की सीमाओं से परे रचनात्मक प्रतिभा का उत्सव

शुभम चौधरी

जम्मू। अकादमिक गतिविधियों से इतर रचनात्मकता की एक अनोखी मिसाल पेश करते हुए, जम्मू विश्वविद्यालय ने अपने कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से आयोजित किया एक अनूठा सांस्कृतिक महोत्सव 'अभिव्यक्ति - 2025'। इस प्रतियोगात्मक रूप में आयोजित उत्सव का उद्देश्य विश्वविद्यालय के शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों की कलात्मक अभिव्यक्ति, रचनात्मकता और सांस्कृतिक जीवंतता का जश्न मनाना था। इसका आयोजन छात्र कल्याण विभाग (DSW) द्वारा किया गया।

यह उत्सव एक भव्य आयोजन में तब्दील हो गया, जिसमें शिक्षकों, अधिकारियों, शोधार्थियों, छात्रों और नागरिक समाज के सदस्यों की भारी मौजूदगी देखने को मिली। सभी ने मंच पर प्रस्तुत विविध कार्यक्रमों और प्रतिभाओं का भरपूर आनंद लिया।

अभिव्यक्ति 2025 में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए, अंताक्षरी, एकल गायन, स्थल पर चित्रकला, स्थल पर फोटोग्राफी, कविता पाठ (स्वरचित)

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से कई प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों में शामिल रहेः डॉ. नीरज शर्मा, प्रो. अरविंद जसरोतिया, प्रो. विश्व रक्षा, डॉ. विजय सैगल, प्रो. कोमल नगर, डॉ. हेमा गंडोत्रा, डॉ. चिन्मयी महाराणा, डॉ. मेघना धर, डॉ. हीना सक्सेना, डॉ. ए.आर. मनहास, डॉ. सुमिता शर्मा, निपुण कोहली, प्रिंस प्रताप सिंह, पुष्पिंदर सिंह, नीलम भगत, डॉ. सरंजीत कौर, सुश्री सुप्रिया शर्मा, गुलशन कुमार, मदन मगोतरा, डॉ. पुरुषोत्तम कुमार, डॉ. विक्रम साहि, डॉ. भगवती देवी, स्वर्णदीप, डॉ. मोनिका नरंग, सुनीता भान, डॉ. नीता, कोमल बक्शी, डॉ. पदम देव सिंह, डॉ. नीलम चौधरी, डॉ. प्रीतम सिंह, डॉ. एस.आर. दुबे, तुषार भारद्वाज, डॉ. दीपक आनंद, प्रताप सिंह, तरसेम सिंह, श्री टिंकू, श्री पंकज, जतिंदर कौर, रिंपी बाला, सुगंधा शर्मा, अनु शर्मा, डॉ. शालू शर्मा, कुंदन सिंह, आकांक्षा शर्मा, तनव शर्मा, सुषमा देवी, अल्का गुप्ता, डॉ. पल्लवी, डॉ. अभिनंदन खजूरिया, ललित शर्मा, विजय कुमार, डॉ. अपूर्वा जम्वाल, सुरेश कुमार और विजय भट।

इस आयोजन का सबसे लोकप्रिय कार्यक्रम 'अंताक्षरी' रहा, जिसे डॉ. कुलदीप रैना ने शानदार अंदाज में संचालित किया। कार्यक्रमों की निगरानी और समन्वय में डॉ. हरलीन कौर और डॉ. अंकित महाजन ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। रितेश खरूयाल और सनी टुपनो ने संगीतमय प्रस्तुतियों के माध्यम से माहौल को जीवंत बनाए रखा।

'अभिव्यक्ति 2025' ने यह सिद्ध किया कि रचनात्मकता केवल छात्रों तक सीमित नहीं, बल्कि कर्मचारियों में भी अद्भुत कला, अभिव्यक्ति और जोश मौजूद है जिसे ऐसे मंचों के माध्यम से प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

संपादकीय मंडलः

मुख्य संपादकः प्रो. गरिमा गुप्ता, प्रबन्धक संपादकः प्रो. दुश्यन्त कुमार राय, समाचार संपादकः रामायण भाद्रवाज, वरिष्ठ सहायक संपादकः वैशाली, सुहानी, शफकत, दलजीत, सहायक संपादकः शुभम चौधरी, अदिति, हिमानी. अभय, अलंकृत